**भारत सरकार**
**रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय**
**औषध विभाग**

**राज्य सभा**
**अतारांकित प्रश्न संख्या 509**
**दिनांक 25 जुलाई, 2023 को उत्तर दिए जाने के लिए**

**देश में जेनेरिक दवाइयों की खपत**

**509. सुश्री सरोज पाण्डेयः**
**श्री सतीश चंद्र दूबेः**

क्या **रसायन और उर्वरक** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) विगत पांच वर्षों में देश में जेनेरिक दवाइयों की कुल कितनी खपत हुई है; और

(ख) सरकार द्वारा इसके उत्पादन को बढ़ाने के लिए और आम जनता को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण दवाइयां उपलब्ध कराने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

**उत्तर**
**रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री (श्री भगवंत खुबा)**

**(क):** भारतीय औषध उद्योग मात्रा के हिसाब से तीसरा सबसे बड़ा और दुनिया में मूल्य के हिसाब से 13 वां सबसे बड़ा है जो 60 चिकित्सीय श्रेणियों में 60,000 से अधिक जेनेरिक दवाओं का उत्पादन करता है। पिछले 5 वर्षों के दौरान औषधीय क्षेत्र का वार्षिक व्यापार निम्नानुसार है:

| वित्तीय वर्ष | टर्नओवर (करोड़ रुपये में) |
|---|---|
| 2017-2018 | 2,26,423 |
| 2018-2019 | 2,58,534 |
| 2019-2020 | 2,89,998 |
| 2020-2021 | 3,28,054 |
| 2021-2022 | 3,44,125 |

हालाँकि, जेनेरिक दवाओं के संबंध में कोई अलग डेटा नहीं रखा जाता है।

**(ख):** जेनेरिक दवाओं सहित औषधीय दवाओं के घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहित करने के लिए, औषध विभाग ने दो उत्पादन लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाएं अर्थात, महत्वपूर्ण प्रारंभिक सामग्री (केएसएमएस)/ड्रग मध्यवर्ती (डीआई)/सक्रिय औषधीय सामग्री (एपीआई) के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए पीएलआई योजना के लिए 6,940 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ और 15,000 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ औषध के लिए पीएलआई योजना शुरू की हैं। इसके अतिरिक्त, सभी नागरिकों, विशेष रूप से गरीबों और वंचित लोगों को वहनीय कीमतों पर गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाएं प्रदान करने के लिए, *प्रधान मंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना* (पीएमबीजेपी) शुरू की गई है।

*****